Title: Need to ensure benefits of central schemes to eligible persons in rural areas of the country.

श्री पुन्नू लाल मोहले (बिलासपुर) : अध्यक्ष जी, गरीबी रेखा की सर्वे सूची में पूरे हिंदुस्तान में गरीब, मजदूर, किसान व बेबस लोगों के कल्याण की आधार रेखा मानी गई है। इस सूची में शामिल लोग उक्त योजना का लाभ ले रहे हैं। किंतु जो सही में गरीब हैं, उन लोगों का नाम गरीबी रेखा में नहीं जुड़ने से आर्थिक विकास तथा अपने पैरों पर खड़ा होने के लिए लाभ नहीं ले पा रहे हैं। कहीं-कहीं उन्हें दर-दर की ठोकरें खानी पड़ रही हैं तथा सर्वे सूची दोषपूर्ण बन गई है क्योंकि अधिकतर शिक्षकों के द्वारा सर्वे करने का आदेश दिया जाता रहा है। लोगों ने जिस तरह बताया उसी तरह लिख पढ़ दिया गया जिससे उनके नाम जो सही में गरीब हैं, छूट गये हैं। शहर और गांव के पटवारी के रिकार्ड के अनुसार सर्वे सूची बनाई जाए जिससे त्रुटि कम होगी।

अतः भारत सरकार से अनुरोध है कि जिन व्यक्तियों के नाम प्रदेश से बाहर खाने कमाने चले जाने के कारण तथा ग्राम पंचायत चुनावों में निर्वाचित प्रतिनिधियों के द्वारा अपने विरोधी पक्ष के लोगों के नाम गरीबी रेखा में कहीं-कहीं नहीं जोड़े गये, जिससे वे दुःखी, हताश एवं उदास हैं। भारत सरकार से अनुरोध है कि गरीबी रेखा की सर्वे सूची में संशोधन किया जाए तथा छूटे हुए लोगों के नाम जोड़ने हेतु पुनः सर्वे का आदेश दिया जाए।